हिन्दी (कक्षा 9)

सीखने के संभावित प्रतिफल	*सहायक सामग्री*	*सुझावात्मक क्रियाकलाप/ गतिविधियाँ*
• कहानी (कहना-सुनना-समझना-पढ़ना-लिखना), जैसे— प्रेमचंद की कहानी ('दो बैलो की कथा') • अपने परिवेश में होने वाली घटनाओं के प्रति सजग होकर अपनी बात, विचार को मौखिक-लिखित रूप में अभिव्यक्त करते हैं, जैसे— 'कोरोना वायरस' से प्रभावित देश-दुनिया का जन-जीवन। • अपने परिवेश/ पर्यावरण मे आए सकारात्मक/ नकारात्मक बदलावों को कविता, कहानी, निबंध के रूप में अथवा अपने ढंग से कहते/लिखते हैं। (भाषा/अनुभवों का सृजनात्मक प्रयोग ।)	ICT का उपयोग करते हुए पाठ्यपुस्तक में दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) की सहायता ले सकते हैं। • टी.वी. पर प्रसारित कार्यक्रम, इंटरनेट, रेडियो आदि। • NCERT, CIET, E-Pathshala आदि की वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री को देख सकते है। www.ncert.nic.in, www.ciet.nic.in, www.swayamprabha.gov.in • प्रेमचंद की कहानी— दो बैलों की कथा भाग 1 https://www.youtube.com/watch?v=RFw2K7hAPdA • दो बैलों की कथा भाग 2 https://www.youtube.com/watch?v=13Kg_QL7A9I&t=11s • नमक का दारोगा https://www.youtube.com/watch?v=uU6cgAxVUGs&t=5s • बड़े भाईसाहब https://www.youtube.com/watch?v=3u37W_Q43BQ • टी.वी., इंटरनेट, रेडियो आदि पर प्रसारित 'कोरोना वायरस' संबंधित कार्यक्रम।	**पहला और दूसरा सप्ताह** • कहानी कहने-सुनने के बारे में अभिभावकों, परिवार के सदस्यों से उनके अनुभवों के बारे में बातचीत की जा सकती है। • कोई भी कहानी कहते-सुनते, समय कहानी की मौखिक परंम्परा और आजकल कहानी कहने-लिखने के ढंग में आए बदलावों पर बातचीत की जाए। • परिवार के सदस्यों, साथी-समूह या शिक्षक (जो मोबाइल व अन्य ICT माध्यमों द्वारा) आपस में जुड़े हों, से अपनी-अपनी पसंद की कोई भी कहानी एक-दूसरे को सुना सकते हैं या अपने पास उपलब्ध कहानी को एक-दूसरे से ICT के माध्यम से साझा कर सकते है। • प्रेमचंद की किसी भी कहानी (जो पाठ्यपुस्तक में शामिल हो सकती है) को ध्यानपूर्वक पढ़े। • कहानी में आए भाषागत प्रयोगों (मुहावरे-लोकोक्तियों) को समझने का प्रयास करें। • कहानी के केंद्रीय भाव-विषय पर चिंतन-मनन करें। • कहानी की विषय-वस्तु पर अपने परिवार के सदस्यों से चर्चा कर सकते हैं। • कहानी के बारे में अपने विचारों को लिखने का प्रयास करें। **तीसरा एवं चौथा सप्ताह** • घर में उपलब्ध टी.वी, इंटरनेट, रेडियो व अन्य ICT सामग्री की सहायता से 'कोरोना वायरस' संबंधी तथ्यात्मक जानकारी का संकलन करें। • वैज्ञानिक आधार पर तत्थों के विश्लेषण को समझे तथा इसे अपनी नोटबुक में लिखें। • विस्तृत जानकारी के लिए अपने परिवार के

		साथ विचार-विमर्श करें। आवश्यकतानुसार स्वयं भी सचेत रहें और परिवार के सदस्यों को भी सचेत करें। ● इस कार्य को एक प्रोजेक्ट की तरह कर सकते है। जिसे बाद में अपने शिक्षक/ साथियों से साझा कर सकते हैं। ● अपने निकट के परिवेश जैसे- घर/परिवार/ प्रकृति/ पर्यावरण/ आदतों/ संसाधनों के उपयोग में आ रहे सकारात्मक-नकारात्मक अनुभवों को नोट करते है। उन्हें अपनी भाषा-शैली (ढंग) से समझने, कहने/लिखने की कोशिश करें।